RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : शनिवार 20 अगस्त 2022 वर्ष 04 अंक 109 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

'हमने भी जून में तोड़ी थी एक मजबूत दही हांडी'

जन्माष्टमी पर उद्धव पर मुख्यमंत्री शिंदे का तंज...!

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे कृष्ण जन्माष्टमी के त्योहार पर ठाणे के तेम्बी नाका में दही हांडी कार्यक्रम में शामिल हुए. इस दौरान उन्होंने शिवसेना नेतृत्व के खिलाफ अपने विद्रोह का जिक्र करते हुए कहा कि जून के महीने में उन्होंने और उनके समर्थकों ने भी बहुत मजबूत दही हांडी को तोड़ा था. एकनाथ शिंदे ने जून में शिवसेना के कई विधायकों के साथ पार्टी से बगावत कर दी थी. जिसके बाद उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली एमवीए सरकार गिर गई थी. एकनाथ शिंदे ने इसके बाद बीजेपी के साथ मिलकर राज्य में नई सरकार का गठन किया था. 30 जून

को एकनाथ शिंदे ने मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी. दही हांडी कार्यक्रम में एकनाथ शिंदे ने कहा कि, ''आप अब दही हांडी तोड़ रहे हैं. हमने डेढ़ महीने पहले एक बहुत मजबूत दही हांडी को तोड़ा था. ये बहुत कठिन, ऊंची थी और इसे तोड़ने के लिए हमें 50 मजबूत परतें लगानी पड़ीं, लेकिन हम सफल रहे.''.

एकनाथ शिंदे ने और क्या कहा ?

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने कहा कि शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे चाहते थे कि शिवसेना पार्टी का एक कार्यकर्ता महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बने. वहीं दिवंगत आनंद दीघे चाहते थे कि ठाणे से एक शिवसेना कार्यकर्ता ये शीर्ष पद प्राप्त करे. आनंद दिघे की इच्छा अब पूरी हो गई है. 1990 के दशक में ठाणे में शिवसेना के एक प्रमुख चेहरा रहे आनंद दिघे को एकनाथ शिंदे का गुरु माना जाता है.

सिकुड़ती शिवसेना का विस्तार करेंगे तेजस ठाकरे?

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में जल्दी ठाकरे परिवार का एक और चिराग राजनीति में एंट्री ले सकता है। खबर है कि राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के छोटे बेटे तेजस सियासी पारी की शुरूआत कर सकते हैं। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक तौर पर अभी कुछ नहीं कहा गया है। फिलहाल, आदित्य पूरी तरह राजनीति में सक्रिय हैं। वह, एमवीए सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं। खास बात है कि कभी-कभी मंच पर नजर आने वाले तेजस का चेहरा इस बार दही हांडी उत्सव में खासा छाया हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मुंबई के गिरगांव इलाके में उनकी तस्वीरें कई पोस्टर्स में शामिल हैं। इन पोस्टर्स में दिवंगत बाला साहब

जल्दी हो सकती है सियासत में एंट्री... !

ठाकरे को 'हिंदू हृदय सम्राट', उद्धव को 'कुटुंब प्रमुख', आदित्य को 'युवा नेतृत्व' और तेजस को 'युवा शक्ति' के तौर पर बताया गया है। इसके चलते ही संभावनाएं जताई जा रही हैं कि वह जल्दी राजनीति में एंट्री कर सकते हैं। खास बात है कि महाराष्ट्र में निकाय चुनाव भी आने वाले हैं। ऐसे में उद्धव आदित्य के बाद अब तेजस को भी राजनीति में सक्रिय कर सकते हैं। हाल ही में हुई पार्टी के अंदर बगावत के बाद तेजस के राजनीती में आने की संभावनाओं को काफी अहम माना जा सकता है। बड़ी संख्या में विधायकों के जाने के बाद आदित्य पर शिवसेना के अस्तित्व को लेकर बड़ी जिम्मेदारी आ गई है। जून में मौजूदा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने करीब 40 विधायकों के साथ उद्धव कैंप से हटने का मन बना लिया था।

भारी बारिश से अभी नहीं मिलेगी राहत, 20 अगस्त तक के लिए इन जिलों में अलर्ट जारी

मुंबई : महाराष्ट्र में भारी बारिश का दौर थमने की संभावना नहीं है. मौसम केंद्र मुंबई ने एक बार फिर से गुरुवार को राज्य के अकोला, अमरावती, भंडारा, बुलढाणा, चंद्रपुर, गढ़चिरौली, गोंदिया, नागपुर, वर्धा, वाशिम और यवतमाल में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया है. वहीं 19 अगस्त को इन जिलों के अलावा नांदेड़, हिंगोली और परभणी में भी येलो अलर्ट जारी हुआ है. इसके बाद 20 अगस्त को अकोला, अमरावती, भंडारा, बुलढाणा, चंद्रपुर, गढ़चिरौली, गोंदिया, नागपुर, वर्धा, वाशिम, यवतमाल, नांदेड़, हिंगोली, परभणी, रायगड और रत्नागिरी में भी येलो अलर्ट जारी किया गया है. इससे पहले बुधवार को भी महाराष्ट्र में बारिश का दौर जारी रहा.

मुंबई के बोरीवली में 40 साल पुरानी इमारत ढही... !

हादसे के वक्त बगल से गुजर रहे थे राहगीर, 15 लोगों के दबे होने की आशंका

मुंबई : मुंबई के बोरीवली वेस्ट में शुक्रवार को बड़ा हादसा हो गया। साईंबाबा नगर में एक चार मंजिला इमारत ढह गई। सूचना के बाद मौके पर फायर ब्रिगेड की टीम और पुलिस पहुंची। मलबे में 14 से 15 लोगों के फंसे होने की जानकारी सामने आ रही है। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। जानकारी के अनुसार, यह हादसा दोपहर करीब 12:30 बजे हुआ, जब लोग इस बिल्डिंग के आसपास से गुजर रहे थे। तभी यह भरभरा कर गिर गई।

बिल्डिंग का नाम गीतांजलि है। मौके पर फायर ब्रिगेड की 8 गाड़ियां, दो बचाव वैन और तीन एंबुलेंस मौजूद हैं। टीम राहत और

बचाव कार्य में जुटी है।

अधिकारियों ने बताया कि यह इमारत 40 साल पुरानी है। इटउ ने इसे जर्जर घोषित कर दिया था। इसके बाद बिल्डिंग को खाली भी करा दिया गया था।

व्हेल मछली की उल्टी तस्करी के आरोप में 2 तस्कर गिरफ्तार

इतने करोड़ की 725 ग्राम उल्टी...!

कल्याण : डोंबिवली की रामनगर पुलिस ने व्हेल मछली की उल्टी की तस्करी करने वाले दो लोगों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों के नाम नंदू राय और अर्जुन निर्मल हैं और पुलिस ने इनके पास से 1 करोड़ 60 लाख रुपए कीमत की 725 ग्राम उल्टी बरामद की है। गौरतलब हो कि प्राकृतिक परफ्यूम बनाने में व्हेल की उल्टी का इस्तेमाल किया जाता है। ये परफ्यूम या सेंट काफी महंगे होते हैं। व्हेल की उल्टी को इकट्ठा करना और बेचना गैरकानूनी है। जबकि इसकी बड़े पैमाने पर तस्करी की जाती है। डोंबिवली के बंदिश पैलेस परिसर में व्हेल की उल्टी की तस्करी की जाती हैं। कल्याण के पुलिस उपायुक्त सचिन गुंजाल को व्हेल मछली उल्टी की तस्करी की सूचना मिली। इस सूचना के आधार पर कल्याण पुलिस उपायुक्त और डोंबिवली रामनगर पुलिस की टीम में एपीआई गणेश जाधव, बलवंत भराडे, दिनेश सोनवणे, पुलिस कांस्टेबल विशाल वाघ, संजय पाटिल, पुलिस नायक ऋषिकेश भालेराव आदि ने जाल बिछाया और क्षेत्र में दो लोग संदिग्ध रूप से घूमते हुए दिखे रामनगर पुलिस की टीम द्वारा जब उनकी तलाशी ली गई तो उनके पास से 725 किलो वजनी व्हेल की उल्टी बरामद हुई।

संपादकीय, लेख...!

अन्याय सा न्याय

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

आजादी के पर्व के दिन एक रिहाई ऐसी भी सामने आई जिसने देश में बड़े विवाद को हवा दे दी। ऐसी रिहाई जिस पर तमाम सवाल उठे। गुजरात में हुए 2002 के दंगों के दौरान बिलकिस बानो से गैंग रेप व परिजनों की हत्या के मामले में सजा काट रहे ग्यारह अभियुक्तों की रिहाई ने कई गंभीर प्रश्नों को जन्म दिया। 21 जनवरी, 2008 को मुंबई की एक विशेष सीबीआई अदालत ने संगीन आरोपों के लिये ग्यारह अभियुक्तों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। कालांतर बॉम्बे हाईकोर्ट ने सजा पर अपनी सहमति की मोहर लगाई थी। दरअसल, 15 साल से अधिक की जेल की सजा काटने वाले एक दोषी ने विगत में सजा माफी के लिये सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार को सजा माफी के मुद्दे पर गौर करने का निर्देश दिया था। इसके बाद पंचमहल के कलेक्टर के नेतृत्व में एक समिति बनाई गई जिसने कैदियों की रिहाई की मांग पर विचार किया। समिति ने सर्वसम्मति से कैदियों को रिहा करने का निर्णय किया। ये सिफारिश राज्य सरकार को भेजी गई थी। कालांतर दोषियों को रिहा करने के आदेश दिये गये। इस पर गुजरात के अतिरिक्त मुख्य सचिव का कहना था कि जेल में चौदह साल पूरे होने पर उम्र,अपराध की प्रकृति व कैदियों के व्यवहार आदि पर विचार करने के बाद सजा में छूट देने पर विचार किया गया। साथ ही यह भी देखा जाता है कि अपराधी ने अपनी सजा पूरी कर ली है। तभी रिहाई पर विचार किया जा सकता है। कैदी के गंभीर रूप से बीमार होने पर भी ऐसा फैसला लिया जा सकता है। इस पर मानवाधिकार कार्यकताओं का आरोप है कि इससे कम गंभीर मामलों में सजा पाने वाले कैदी जेलों में बंद हैं जबकि गंभीर अपराध में लिप्त दोषियों को रिहा कर दिया गया है। इस फैसले से बिकलिस बानो का परिवार सकते में है और उनका कहना है कि वे फिर से भय में जी रहे हैं। दरअसल, पीड़ित पक्ष का आरोप है कि हमें सरकार ने इस मामले में कोई सूचना नहीं दी, हमें मीडिया से दोषियों की रिहाई की बात पता चली। वहीं गुजरात सरकार के इस फैसले की चौतरफा आलोचना हो रही है। कहा जा रहा है कि अपराध के शिकार लोगों का तंत्र पर भरोसा डिगा है। दरअसल, बिलकिस बानो ने न्याय पाने के लिये लंबा संघर्ष किया था। पहले सबूतों के अभाव में पुलिस ने केस खारिज कर दिया था। गुजरात सरकार के दौरान जब उसे न्याय मिलता न दिखा तो वह राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग पहुंची। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मामले में सीबीआई जांच के आदेश दिये। तब सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर क्लोजर रिपोर्ट खारिज की गई। सीबीआई ने चार्जशीट में 18 लोगों को दोषी पाया था। लगातार धमकी मिलने और न्याय मिलने में संदेह के चलते बिलकिस बानो ने केस गुजरात से बाहर स्थानांतरित करने की मांग सुप्रीम कोर्ट से की थी। जिस पर मामला मुंबई कोर्ट में भेजा गया था।

कालांतर दोषियों को रिहा करने के आदेश दिये गये। इस पर गुजरात के अतिरिक्त मुख्य सचिव का कहना था कि जेल में चौदह साल पूरे होने पर उम्र,अपराध की प्रकृति व कैदियों के व्यवहार आदि पर विचार करने के बाद सजा में छूट देने पर विचार किया गया। साथ ही यह भी देखा जाता है कि अपराधी ने अपनी सजा पूरी कर ली है। तभी रिहाई पर विचार किया जा सकता है।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

जन्माष्टमी पर मुंबई पुलिस ने मच गया शोर.. गाने पर बजाया अद्भुत बैंड

मुंबई : श्रीकृष्णा जन्माष्टमी पर मुंबई पुलिस डिपार्टमेंट के बैंड ने खाकी स्टूडियो में जिस तरह मच गया शोर.. को इंस्ट्रुमेंटल थीम में बजाया, उससे सभी हैरान रह गए। इससे यह साबित हुआ कि मुंबई पुलिस के जवान हर काम में निपुण हैं और उनकी प्रतिभा हर क्षेत्र में मौजूद है। वैसे, आप इसका अंदाजा सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो को देखकर लगा सकते हैं। मुंबई पुलिस के इन-हाउस बैंड ने शुक्रवार, 19 अगस्त को श्रीकृष्णा जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर बॉलीवुड के मशहूर गाने मच गया शोर के ट्रैक को बैंड की धुन पर बजाया। इस धुन को बजाने का जो वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट हुआ, उसे

देखकर हर कोई उनकी तारीफ कर रहा है। यह वीडियो माइक्रो ब्लॉगिंग साइट ट्विटर पर खुद मुंबई पुलिस ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से शेयर किया है। इस वीडियो क्लिप ने बहुत से यूजर्स का ध्यान आकर्षित किया है। हमें यकीन है कि आप भी इसे पसंद करेंगे। ट्विटर पर वायरल हो रहे 30 सेकेंड के इस क्लिप में खाकी स्टूडियो में मुंबई पुलिस के जवान 1982 में आई मशहूर फिल्म खुद्दार के गाने मच गया शोर सारी नगरी में.. को बैंड धुन पर बजाया। पुलिस टीम ने यह ट्रैक तुरही और विभिन्न इंस्ट्रुमेंट के जरिए बजाया। यह देखने और सुनने दोनों में बेहद शानदार और अद्भुत है। करीब दो हजार बार देखे गए इस वीडियो क्लिप के साथ मुंबई पुलिस ने कैप्शन में लिखा, खाकी स्टूडियो। अजेय। इसके अलावा इस पोस्ट को अमिताभ बच्चन को टैग भी किया गयाा है और कृष्ण जन्माष्टमी, मुंबई पुलिस और गोकुल अष्टमी का हैशटैग है। यूजर्स ने मुंबई पुलिस के इस बैंड धुन की तारीफ की है और खासकर जन्माष्टमी पर इस धुन को बजाने के लिए धन्यवाद दिया है। बता दें कि 1982 में आई खुद्दार मूवी में अमिताभ बच्चन और परवीन बाबी लीड रोल में थे। इस फिल्म के एक सीन में अमिताभ बच्चन ने मच गया शोर गाना गाया था। गाने को दिवंगत किशोर कुमार और दिवंगत लता मंगेशकर ने स्वर दिए थे।

उद्धव खेमा को बड़ी राहत, मिल गया पहले वाला कार्यालय, शिंदे गुट के नेता सातवीं मंजिल पर बैठेंगे

मुंबई : एकनाथ शिंदे गुट और उद्धव खेमे के बीच मूल कार्यालय पर अधिकार को लेकर चल रही खींचतान पर अब विराम लग गया है। दरअसल, उद्धव खेमे को अब उसका मूल कार्यालय मिल गया है।

वहीं शिंदे गुट के विधायक सातवीं मंजिल पर बैठेंगे। बता दें कि एकनाथ शिंदे के बगावत के बाद महाराष्ट्र विधान भवन की चौथी मंजिल पर स्थित शिवसेना के कार्यालय को सील कर दिया गया था।

स्कूलों में लड़के-लड़कियों का एक साथ बैठना खतरनाक, पढ़ाई से विचलित होंगे छात्र: केरल मुस्लिम नेता

केरल के एक मुस्लिम नेता ने दावा किया है कि स्कूलों में लड़का-लड़कियां का एक साथ बैठना खतरनाक है। उनके इस बयान से विवाद खड़ा हो सकता है। दरअसल यह बयान केरल इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के महासचिव प्रभारी पीएमए सलाम ने दिया है। उन्होंने कहा कि लड़कों और लड़कियों को स्कूल की कक्षाओं में एक साथ बैठने की अनुमति देना ''खतरनाक'' है। केरल के नेता का यह बयान ऐसे समय में आया है जब राज्य सरकार अपने यहां लिंग-तटस्थ शिक्षा प्रणाली शुरू करने के प्रयास कर रही है। लिंग-तटस्थ यानी जेंडर न्यूट्रैलिटी एक ऐसा विचार है जहां

लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाता है। यानी सभी लिंगों को समान सलाम ने केरल सरकार की लिंग-तटस्थ नीतियां की आलोचना करते हुए कहा, 'यह खतरनाक है। लड़कियों और लड़कों को कक्षाओं में एक साथ बैठने की क्या आवश्यकता है? आप उन्हें क्यों मजबूर कर रहे हैं या ऐसे अवसर ही क्यों पैदा कर रहे हैं? इससे केवल समस्याएं ही होंगी। छात्र पढ़ाई से विचलित हो जाएंगे।' उन्होंने कहा, ''लैंगिक तटस्थता एक धार्मिक मुद्दा नहीं बल्कि एक नैतिक मुद्दा है। सरकार छात्रों पर लिंग-तटस्थ यूनिफॉर्म थोपने की कोशिश कर रही है। लैंगिक तटस्थता छात्रों को गुमराह करेगी। हम सरकार से इसे वापस लेने के लिए कहेंगे।'' इससे पहले, मुस्लिम संगठनों ने सरकार से राज्य के शैक्षणिक संस्थानों में 'लिंग-तटस्थ विचारों को थोपने' के कदम से हटने को कहा था। उन्होंने वामपंथी नेतृत्व वाली सरकार पर शैक्षणिक संस्थानों में उदार विचारधारा को लागू करने की कोशिश करने का आरोप लगाया था।

विधायक ने की दल बदल कानून समाप्त करने की मांग

मुंबई : पूर्व मंत्री और निर्दलीय विधायक बच्चू काडु ने गुरुवार को कहा कि दल बदल रोधी कानून को समाप्त कर देना चाहिए क्योंकि इसके कारण विधायक, जन विरोधी निर्णय लेने वाली पार्टियों का विरोध नहीं कर पाते. उन्होंने विधानसभा में कहा, ''दल बदल रोधी कानून को तत्काल समाप्त कर देना चाहिए. अगर मेरी पार्टी मेरे क्षेत्र के विरोध में काम करे तो मैं उसकी नीतियों के विरोध में बोल भी नहीं सकता. ऐसी व्यवस्था क्यों है? क्या हम उन लोगों के प्रति उत्तरदायी नहीं हैं जिन्होंने हमें वोट दिया है?''

पूर्व मंत्री ने राज्य में बाढ़ से प्रभावित किसानों की समस्या पर विपक्ष की ओर से पेश एक प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए यह बयान दिया. वह पहले उद्धव ठाकरे नीत एमवीए सरकार में मंत्री थे और शिंदे गुट द्वारा बगावत करने के बाद से उन्हें वर्तमान नेतृत्व का समर्थक माना जा रहा है.

दल-विरोध कानून में सांसदों और विधायकों के द्वारा एक पार्टी छोड़कर दूसरे पार्टी में शामिल होने पर दंडित करने का प्रावधान है. संसद ने इसे साल 1985 में दसवीं अनुसूची के रूप में संविधान में शामिल किया. इसका उद्देश्य विधायकों द्वारा बार-बार बदलते पार्टियों से हतोत्साहित करके सरकार को स्थिरता में लाना था. साल 1967 के आम चुनाव के बाद विधायकों ने दल-बदल करके कई राज्य सरकारों को सत्ता से बाहर किया था.

फडणवीस के सामने कांटों भरी राह

मुंबई : भाजपा की दो सबसे महत्वपूर्ण कमेटियों में सदस्यों की घोषणा के साथ ही अलग-अलग तरह के राजनीतिक कयासों की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि देवेंद्र फडणवीस को महत्वपूर्ण कमेटी में शामिल करने से भाजपा ने एक बात तो स्पष्ट कर दी है कि अब महाराष्ट्र में एक और नया बड़ा पावर सेंटर तैयार किया जा रहा है। यह तब और ज्यादा पुख्ता हो जाता है जब केंद्र में महाराष्ट्र से ही मंत्री और भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गडकरी को पार्टी अपने सबसे महत्वपूर्ण कमेटी से बाहर कर देती है।

महाराष्ट्र की राजनीति में शुरू से चर्चा रही है कि देवेंद्र फडणवीस के मुख्यमंत्री बनने के साथ ही महाराष्ट्र में भाजपा का दूसरा पावर सेंटर बनने लगा था। लेकिन राजनीतिक जानकारों का कहना है कि महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की कई राजनीतिक गलतियों के चलते न सिर्फ उनके विरोधियों को मौका मिला, बल्कि उन्हें इसी वजह से महाराष्ट्र की राजनीति में किनारे भी किया जाने लगा। हालांकि अब जब फडणवीस को चुनाव समिति में शामिल किया गया है, तब भी राजनीतिक विश्लेषकों की नजर में देवेंद्र फडणवीस के लिए यहां पर भी चुनौतियां बहुत आने वाली हैं। महाराष्ट्र में जिस तरीके से पिछले चुनाव कई बड़े नेताओं के टिकट काटे थे, उस समय देवेंद्र फडणवीस के खिलाफ पार्टी के लोगों में नाराजगी थी। महाराष्ट्र के नेताओं का कहना था कि देवेंद्र फडणवीस के चलते ही बड़े नेताओं के टिकट कटे हैं। लेकिन तब देवेंद्र फडणवीस ने ऐसे आरोपों पर केंद्रीय चुनाव समिति के पाले में गेंद डाल दी थी। शितोले कहते हैं क्योंकि अब खुद देवेंद्र फडणवीस चुनाव समिति के सदस्य हैं ऐसे में आने वाले चुनावों में मिलने वाले टिकट में लोगों की नाराजगी या लोगों की पसंद को सीधे देवेंद्र फडणवीस से जोड़कर ही देखा जाएगा। ऐसे में एक बात तो बिल्कुल स्पष्ट है कि देवेंद्र फडणवीस को इस कमेटी में शामिल कर एक संदेश तो जरूर दिया गया है कि उन्हें बड़ी जिम्मेदारी मिली है, लेकिन कांटों भरी राह भी इस समिति के सदस्य होने के चलते उनके सामने बिछ गई है।

भाजपा के एक नेता कहते हैं कि बीते चुनावों में भाजपा के दो बड़े नेता विनोद तावड़े और चंद्रशेखर बावनकुले को टिकट नहीं मिला था। दोनों नेता महाराष्ट्र की राजनीति में भाजपा के लिए बड़े चेहरे रहे हैं। इन दोनों नेताओं को टिकट न मिलने का सारा ठीकरा देवेंद्र फडणवीस के ऊपर फोड़ा गया था। हालांकि बाद में केंद्रीय नेतृत्व ने विनोद तावड़े को राष्ट्रीय महासचिव बनाकर देवेंद्र फडणवीस को संदेश भी दिया था। पार्टी के उक्त नेता का कहना है पार्टी मराठों और ओबीसी को भी महाराष्ट्र में नाराज नहीं करना चाहती थी, इसीलिए दोनों नेताओं का बेहतर तरीके से न फिर समायोजन किया, बल्कि उनको सम्मानजनक स्थान भी दिलाया। चर्चा उस वक्त यही थी कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के दोनों खास नेताओं को देवेंद्र फडणवीस ने किनारे कर दिया है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि उसी वक्त से यह खुलकर सामने आने लगा था कि देवेंद्र फडणवीस और नितिन गडकरी के बीच में सब कुछ उतना सामान्य नहीं है जितना दिखता है।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि आने वाले दिनों में चुनावों के दौरान मिलने वाले टिकटों से देवेंद्र फडणवीस के लिए चुनौतियां भी होंगी। राजनीतिक विश्लेषक सोमेश पाटिल कहते हैं कि इस बार टिकट कटने पर देवेंद्र फडणवीस यह कहकर नहीं बच सकेंगे की टिकटों का फैसला केंद्र की चुनाव समिति में किया है, क्योंकि वह खुद इस कमेटी का हिस्सा हैं इसलिए नाराजगी और बेहतर सामंजस्य सब उनके हिस्से में आएगा।

शादी की मांग से तंग आकर पत्रकार ने की प्रेमिका की हत्या!

मुंबई : महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले से एक सनसनीखेज खबर सामने आई हैं, यहां एक पेशे से पत्रकार व्यक्ति ने अपनी प्रेमिका की हत्या कर दी और शव को टुकड़ों में काटकर ठिकाने लगा दिया। अब इस मामले में 35 वर्षीय पत्रकार सौरभ लाखे को पुलिस ने अपनी विवाहित प्रेमिका की हत्या और सबूत मिटाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कहा कि महिला का कथित तौर पर सौरभ लाखे के साथ संबंध था, जो एक स्वतंत्र रिपोर्टर के रूप में काम करता था। एक अधिकारी ने बताया कि हाल ही में वह अपने परिवार को छोड़कर यहां हुडको इलाके में किराए के मकान में रह रही थी, जहां लाखे उससे मिलने आता था। महिला शिउर की रहने वाली थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि महिला सौरभ से बार-बार शादी की मांग कर रही थी, उसकी इस मांग से तंग आकर 15 अगस्त को महिला का गला घोंट दिया, इतना ही नहीं उसने उसके शव को ठिकाने लगाने के लिए शव के टुकड़े कर दिए। ठिकाने लगाने के मकसद से उसने अगले दिन उसका सिर और हाथ लिया और उन्हें शिउर के एक गोदाम में रख दिया। अधिकारी ने आगे जानकारी देते हुए कहा कि बुधवार को जब वह शरीर के बाकी हिस्सों को ले जा रहा था, तो घर के मालिक ने उसे देखा और पुलिस को सूचना दी, इसके बाद शायर के रास्ते में सौरभ लाखे को गिरफ्तार कर लिया वहीं आगे की जांच जारी है।

मुंबई में जीएसटी रैकेट का भंडाफोड़, 41 करोड़ की फर्जी बिल मिले, एक गिरफ्तार

मुंबई : सीजीएसटी के मुंबई स्थित भिवंडी आयुक्तालय की टीम ने इनपुट टैक्स क्रेडिट पाने के लिए फर्जी बिलों के आधार पर दावा करने वाले बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया है। आरंभिक रूप से 41 करोड़ के फर्जी बिलों के आधार पर 18 करोड़ के आईटीसी का पता चला है। मामले में एक फर्म के आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। सीजीएसटी भिवंडी के आयुक्त सुमित कुमार ने बताया कि यह गिरोह नकली जीएसटी चालान के जरिए इनपुट टैक्स क्रेडिट का फायदा उठाने में जुटा था।

महाराष्ट्र में अब खुलकर जांच करेगी CBI! एकनाथ शिंदे सरकार कर सकती है यह बड़ा बदलाव

मुंबई : सेंट्रल इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (उइक) को लेकर महाराष्ट्र सरकार जल्दी बड़ी फैसला ले सकती है। खबर है कि राज्य में जांच एजेंसी पर लगे प्रतिबंधों को हटाया जा सकता है। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक तौर पर अभी कुछ नहीं कहा गया है। खास बात है कि महाराष्ट्र उन राज्यों में शामिल है, जिसने अपने क्षेत्र में सीबीआई के कामों को लेकर जनरल कंसेंट वापस ले लिया है। जिसके चलते जांच एजेंसी को छोटी कार्रवाई के लिए भी राज्य सरकार के पास आवेदन देना होता है।˙ सूत्रों के हवाले से बताया गया कि राज्य सरकार प्रतिबंध को हटाने के फैसले पर विचार कर रही है। रिपोर्ट के अनुसार, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली सरकार जल्दी इसे हटा सकती है। इससे पहले महाविकास अघाड़ी सरकार में सीबीआई पर प्रतिबंध लगा दिए गए थे, जिसके चलते केंद्रीय एजेंसी को जांच की शुरूआत करने से पहले सरकार की सहमति की जरूरत होती थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, सूत्रों ने कहा कि कैबिनेट बैठक में सरकार की तरफ से यह प्रतिबंध हटाया जा सकता है। दरअसल, जब जनरल कंसेंट वापस ले लिया जाता है, तो सीबीआई को संबंधित राज्य सरकार से जांच के लिए सहमति हासिल करना जरूरी हो जाता है। अगर विशिष्ट सहमति नहीं मिलती है तो जांच एजेंसी के

अधिकारियों के पास राज्य में पुलिस की शक्तियां नहीं होंगी।

महाराष्ट्र में दही हांडी को मिला साहसिक खेल का दर्जा

भाषा के अनुसार, मुख्यमंत्री शिंदे ने गुरुवार को विधानसभा में घोषणा की कि उनकी सरकार ने लोकप्रिय उत्सव दही हांडी को साहसिक खेल का दर्जा देने का फैसला किया है। इस आयोजन से एक दिन पहले मुख्यमंत्री ने कहा कि साहसिक खेल का दर्जा मिलने से दही हांडी में शामिल होने वाले युवक खेलकूद कोटे के तहत सरकारी नौकरियों के लिए आवेदन कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रतिभागियों या उनके परिवारों को मानव पिरामिड बनाने के दौरान किसी खिलाड़ी के हताहत होने की स्थिति में मुआवजा दिया जाएगा।

मानसून सत्र के दौरान उपसभापति नीलम गोरे और राज्य के कैबिनेट सदस्य गुलाबराव पाटिल के बीच जुबानी जंग!

मुंबई : महाराष्ट्र विधान परिषद में गुरुवार को जमकर हंगामा हुआ। यहां मानसून सत्र के दौरान उपसभापति नीलम गोरे और राज्य के कैबिनेट सदस्य गुलाबराव पाटिल के बीच जुबानी जंग हो गई। बातचीत इतनी बढ़ गई कि अंत में उपसभापति नीलम गोरे ने गुलाबराव पाटिल को लताड़ते हुए कहा कि आप अपने घर में मंत्री हैं। ये बहस तब शुरू हुई जब राज्य के स्कूल शिक्षा मंत्री दीपक केसरकर उच्च सदन में एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। वहीं विपक्ष केसरकर के जवाब से असंतुष्ट था और हंगामा कर रहा था। शिवसेना एमएलसी मनीषा कयांडे ने बताया कि विपक्ष के हंगामे के बीच ही जल आपूर्ति और स्वच्छता मंत्री गुलाबराव पाटिल ने अपनी सीट से बोलना शुरू कर दिया। उनके बोलने से विपक्षी विधायक और नाराज हो गए और सदन के वेल में आ गए।

इस पर नीलम गोरे ने कहा कि आप इधर-उधर की बातें कर रहे हैं। आप कृपया बैठ जाइए। यह प्रश्न आपके विभाग से संबंधित नहीं है। यह सवाल केसरकर के विभाग से संबंधित है। इसके बाद भी जब मामला शांत नहीं हुआ तो उन्होंने आगे कहा कि 'गुलाबराव पाटिल जी, मैंने समय-समय पर आपको चेतावनी दी है, आपसे अनुरोध किया है। तुरंत अपनी सीट ले लीजिए। सदन में यह कैसा व्यवहार है?' इस पर जवाब मांगते हुए गुलाबराव पाटिल ने कहा कि 'मैं मंत्री हूं और मुझे बोलने का मौका दिया जाना चाहिए।'

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शनिवार 20 अगस्त 2022

समीर वानखेड़े को सोशल मीडिया पर मिली धमकी!

मुंबई : नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के पूर्व अधिकारी समीर वानखेड़े को सोशल मीडिया पर जान से मारने की धमकी मिली है। वानखेड़े ने गोरेगांव पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करायी है और मामले की जांच की जा रही है। वानखेड़े का बयान गुरुवार को दर्ज किया गया जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व मंत्री नवाब मलिक द्वारा दर्ज कराए गए फर्जी जाति प्रमाण पत्र शिकायत मामले में क्लीन चिट मिलने के तुरंत बाद उन्हें धमकियां मिलीं। पुलिस शिकायत के अनुसार, 'अमन' नाम के एक ट्विटर हैंडल ने 14 अगस्त को समीर वानखेड़े को मैसेज किया था। संदेश में कहा गयाः ''तुमको पता है तुमने क्या किया है, इसका हिसाब तुमको देना पड़ेगा, इसके लिए भुगतान करना होगा।'' एक अन्य संदेश में कहा गया, ''तुमको खत्म कर देंगे।'' पुलिस सूत्रों ने कहा कि इस अकाउंट के शून्य फालोअर्स है और माना जा रहा है कि इसे वानखेड़े को धमकी देने के लिए बनाया गया था।

एनसीपी के साथ शिवसेना के कुछ लोगों ने हमसे संपर्क किया, शिंदे गुट के नए जिलाध्यक्ष का बड़ा बयान

सतारा : मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सातारा के जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी है. इसलिए वह एक बार फिर नई ऊर्जा के साथ काम करना शुरू करेंगे और शिवसेना के संगठन को बढ़ाने की कोशिश करेंगे। शिंदे समूह के नए जिला प्रमुख पुरुषोत्तम जाधव ने आज सतारा में स्पष्ट राय व्यक्त की कि शिंदे समूह जिले में शिवसेना और भाजपा गठबंधन के माध्यम से आगामी चुनावों में भगवा दल खड़ा करेगा। जाधव ने शिंदे समूह शिवसेना के जिलाध्यक्ष का कार्यभार संभालने के बाद आज सरकारी विश्राम गृह में पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने कहा, मैंने शिंदे समूह शिवसेना के सतारा जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी ली है। शिवसेना की कल होने वाली बैठक में बाकी पदाधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी. इस बैठक में मंत्री शंभूराज देसाई और कोरेगांव विधायक महेश शिंदे शामिल होंगे.

मनपा का दावा 35 दिन में भरे 15 हजार गड्ढे

बालू से भरे जा रहे गड्ढे...!

मुंबई : मनपा प्रशासन का दावा है कि पिछले 35 दिन में मुंबई की सड़को पर बने 15 हजार 315 गड्ढे भरे गए है। मनपा के इस दावे की पोल खोल करते हुए भाजपा नेता विनोद मिश्रा ने दिखाया कि बालू लाकर गड्ढे भरे जा रहे है जो कि दोबारा मामूली बारिश में बह जा रहे है और दोबारा बड़े गड्ढे तैयार हो रहे है । गड्ढों के कारण दुर्घटना घटने का प्रमाण बढ़ा है और सड़क पर ट्रैफिक समस्या बढ़ गई है।

मुंबई में सड़को का जाल कुल 2हजार 55 किमी में फैला हुआ है ।जिसमे 1 हजार 30 किमी डांबर की सड़क है और बकाया सीमेंट कंक्रीट की सड़क है। मनपा प्रशासन का दावा है कि मनपा ने अप्रैल महीने से अब तक 23 हजार 561 गड्ढे भरे है जबकि पिछले 35 दिन में लगभग 15 हजार 315 गड्ढे भरे गए यह गड्ढे बारिश के दरम्यान भरे गए है।

मनपा प्रशासन ने जानकारी दी है कि गड्ढों को भरने के लिए 2972 मैट्रिक टन कोल्ड मिक्स का उपयोग किया गया जा रहा है । अब तक भरे गए कुल गड्ढों में मनपा ने कोल्ड मिक्स से 20 हजार 155 गड्ढे भरे हुए जबकि 2096 गड्ढों को ठेकेदार से भरा गया। वही मनपा की सेंट्रल एंजेसी के मार्फत 1310 गड्ढों को भरे जाने की जानकारी दी गई ।

इस बीच मनपा ने मुंबई की सड़को को गड्ढा मुक्त करने के लिए 'जियो पॉलिमर', 'फास्ट कूलिंग कंक्रीट' और 'रैपिड स्पीड डामर' नामक तीन प्रकार की तकनीक का उपयोग करने का निर्णय लिया है। इसके लिए सात करोड़ का टेंडर भी निकाला गया है।

मनपा के दावे की खोली पोल

भाजपा नगरसेवक विनोद मिश्रा ने मनपा के गड्ढे भरे जाने की जानकारी देते हुए आरोप लगाया कि मनपा की ओर से गड्ढों को भरने के लिए बालू का उपयोग किया जा रहा है ।गुरुवार को सांताक्रुज पश्चिम में एसवी रोड पर पोद्दार स्कूल के पास भरे जा रहे गढ्ढे बालू से भरे जा रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि बालू से ही गड्ढे भरे जाने है तो हजारों क्या उसकी संख्या लाखों में हो सकती है लेकिन सड़क पर चलने वाले वाहनों की क्या हालत होगी ।गड्ढों से लोगो की जान जा रही है। मिश्रा ने कहा कि जिन सड़को पर सड़को पर बने गड्ढों से लोगो की जान जाए उस वार्ड के सड़क इंजिनियर पर मामला दर्ज किया जाए तभी सड़को की अवस्था सुधरेगी।

मुंबई पुलिस के बम स्कवॉड में तैनात स्निफर डॉग राणा की मौत!

मुंबई : मुंबई पुलिस की कई केस सॉल्व करने में मदद करने वाला राणा अब इस दुनिया में नही रहा है. दरअसल एक अधिकारी ने बताया कि मुंबई पुलिस के बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वॉड में सेवारत कुत्ते राणा की बुधवार को सात साल की उम्र में मौत हो गई. अधिकारी ने बताया कि उसे पेट संबंधी बीमारी थी और इस कारण 22 जुलाई से इसका इलाज चल रहा था. काफी ट्रीटमेंट के बाद भी उसे बचाया ना जा सका.

राणा को 2016 में बीडीडीएस में शामिल किया गया था

अधिकारी ने कहा कि मुंबई पुलिस में तैनात जिस कुत्ते की मौत हुई है वह लैब्राडोर था और उसे एक खोजी कुत्ते के रूप में प्रशिक्षित किया गया था. लैब्राडोर राणा को 2016 में बीडीडीएस में शामिल किया गया था और उसने वीवीआईपी आंदोलन के दौरान बम धमकी कॉल की जांच और तोड़फोड़ विरोधी जांच सहित विभिन्न अभियानों में भाग लिया था.

लैब्राडोर राणा पुलिस गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया

मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि परंपरा के अनुसार, राणा को गुरुवार को पुलिसकर्मियों

2016 में बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वॉड में हुआ था शामिल...

की मौत के लिए आरक्षित उचित पुलिस गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया. इस मौके पर संयुक्त पुलिस आयुक्त (प्रशासन) और बम निरोधक दस्ते के वरिष्ठ निरीक्षक समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे.

राणा की मौत से हैंडलर गमगीन

वहीं राणा के दो हैंडलर, कांस्टेबल तानाजी पवार और सुनील पारुलेकर, जिन्होंने पिछले सात वर्षों से उसकी देखभाल की थी, ने कहा कि उन्हें अभी भी इस बात का विश्वास नहीं हो रहा है कि राणा अब उनके साथ नहीं हैं. बता दें कि राणा को अगस्त 2015 में पुलिस बल द्वारा खरीदा गया था और पुणे में छह महीने के प्रशिक्षण के बाद 2016 में बल में शामिल किया गया था.

नाबालिग लड़की से दुष्कर्म मामले में महिला समेत तीन गिरफ्तार, एक आरोपी फरार...!

महाराष्ट्र के पालघर में एक नाबालिग लड़की से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, विरार इलाके में चार लोगों ने इस घटना को अंजाम दिया। मामले में अब तक तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसमें एक महिला व दो पुरुष शामिल हैं। वहीं एक अन्य आरोपी की तलाश की जा रही है। पुलिस ने बताया, चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैजल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नंबर 3-4, अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनावाला क्रॉस रोड नंबर 12, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई - 63 से छपवाकर रूम नंबर 15 रमजान बिन 17- सी, वंजावडी, माहिम (वेस्ट), मुंबई - 400016 से प्रकाशित किया . संपर्क कार्यालय 1 ए, ग्राउंड फ्लोर, साहिल मेन्शन, बालमिया लेन, माहिम (वेस्ट), मुंबई - 400016.
मोबाइल नंबर 9987775650 व्हाट्सएप नंबर 9987775650 ईमेल- editor@rokthoklekhaninews.com -किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र मुंबई होगा!